

सीमेंट पर जीएसटी दर में हो कमी: सीएमए

एजेंसी/नवज्योति, नई दिल्ली

सीमेंट उद्योग के शीर्ष संगठन सीमेंट मैनेज्मेन्ट एसोसिएशन (सीएमए) ने सीमेंट की मांग में तेजी लाने तथा उद्योग को पूरी क्षमता से काम करने के लिए इस पर वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर को 28 फीसदी से कम करने की मांग की है।

परिषद और वित्त मंत्री से भी मिल चुका है और सीमेंट पर जीएसटी दर को कम करने की अपील किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि इसकी दर में एक साथ कमी नहीं की जा सकती है लेकिन चरणबद्ध तरीके से इसमें कमी की जानी चाहिए ताकि उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिल सके और मांग बढ़ाने में भी मदद मिल सके।



संगठन द्वारा गुरुवार को यहां आयोजित पहले कांक्रिट शिखर सम्मेलन के दौरान सीएमए के अध्यक्ष एवं जे के एलसी सीमेंट के पूर्णकालिक निदेशक सैतेंद्र चौकसी ने संबोधनों से कहा कि जीएसटी में सीमेंट को भी लाकरी उत्पाद की श्रेणी में रख दिया गया है जबकि यह वर्तमान में हर किसी के लिए उपयुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि उनके संगठन ने इसको लेकर जीएसटी

चौकसी ने कहा कि वर्ष 2001 से ही सीमेंट की मांग में एकल अंक की बढ़ोतरी हो रही थी लेकिन वर्ष 2016 से इसमें सुधार हुआ है और चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में इसमें 14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, सड़क, सड़क, रेलवे और स्वच्छ भारत मिशन का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने सीमेंट कंपनियों के संगठित कर सकाई निविदा भरने के आरोपों पर कहा कि अभी विभिन्न परियोजना के लिए 150 रुपए प्रति 50 के किलो के बैग का टेंडर भरा गया है। करीब दस वर्ष पूर्व 120 रुपए प्रति बैग की निविदा भरी जाती थी।